No. of Printed Pages : 7

IBO-04

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/MASTER OF COMMERCE (PGDIBO/M. COM.)

Term-End Examination

June, 2023

IBO-04 : EXPORT-IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer* ***both*** *Parts A and B.*

Part—A

1. Comment on the following statements : 5×4=20

   (a) Export Promotion Capital Goods (EPCG) scheme do not facilitate import of capital goods.

(b) Export-import documents are not required for protecting the economic and social interests of the trading countries.

(c) Several parties are not involved in the documentary credit arrangement.

(d) Insured do not have responsibilities to take such measures as may be reasonable to avert or minimise a loss.

Part—B

Note **:** Answer any ***four*** questions.

2. Describe India's legal framework of foreign trade. Do you think that legal framework facilitates in the process of foreign trade ? Also state the objectives of India's foreign trade policy. 10+5+5

3. State the steps involved in the processing of an export order. Discuss any *three* steps in detail. 5+15

4. What do you mean by letter of credit ? Describe various kinds of letter of credit. 5+15

5. Why is import finance required ? Explain various methods of import finance. 5+15

6. Describe the procedure of quality control and pre-shipment inspection. Do you think that ISO 9000 facilitates in the quality assurance ? Discuss with examples. 14+6

7. Do you think that insurance contract is in the nature of indemnity ? Discuss and describe various kinds of perils under cargo insurance with examples. 6+14

8. Write notes on any ***two*** of the following : 10+10

   (a) Methods of Dispute settlement

   (b) Legal documents for export from India

   (c) Customs clearance of export cargo by air

   (d) Fiscal incentives for export promotion

IBO-04

अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि (पी. जी. डी. आई. बी. ओ./एम. कॉम.) सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

आई.बी.ओ.-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब'* ***दोनों*** *के उत्तर दीजिए।*

खण्ड–अ

1. निम्नलिखित कथनों पर टिप्पणियाँ कीजिए : 5×4=20

(क) निर्यात संवर्धन पूँजीगत माल (EPCG) योजना पूँजीगत माल के आयात में सहायक नहीं होती है।

(ख) व्यापार करने वाले देशों के आर्थिक तथा सामाजिक हितों की रक्षा के लिए निर्यात-आयात प्रलेखों की आवश्यकता नहीं होती है।

(ग) प्रलेखीय साख व्यवस्था में विभिन्न पक्ष मौजूद नहीं होते हैं।

(घ) हानि से बचने अथवा उसे न्यूनतम करने के सभी उचित उपाय करना बीमाकृत व्यक्ति का कर्तव्य नहीं है।

खण्ड–ब

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

2. भारत के विधिक ढाँचे का विवेचन कीजिए। क्या आप सोचते हैं कि विधिक ढाँचा विदेशी व्यापार की प्रक्रिया में सहायक होता है ? भारत की विदेशी व्यापार नीति के उद्देश्यों का उल्लेख कीजिए। 10+5+5

3. निर्यात आदेश सम्बन्धी कार्यवाही में संलग्न चरणों का उल्लेख कीजिए। किन्हीं ***तीन*** चरणों का विस्तार से वर्णन कीजिए। 5+15

4. साख-पत्र से आप क्या समझते हैं ? साख-पत्र के विभिन्न प्रकारों का विवेचन कीजिए। 5+15

5. आयात वित्त की आवश्यकता क्यों होती है ? आयात वित्त की विभिन्न विधियों का विवेचन कीजिए। 5+15

6. गुणवत्ता नियंत्रण और पोत-लदान पूर्ण निरीक्षण के लिए प्रक्रियाओं का विवेचन कीजिए। क्या आप समझते हैं कि आई. एस. ओ. 9000 गुणवत्ता आश्वासन में सहायक होता है ? उदाहरण के साथ व्याख्या कीजिए। 14+6

7. क्या आप समझते हैं कि बीमा अनुबन्ध क्षतिपूर्ति की प्रकृति का होता है ? व्याख्या कीजिए और जहाजी माल बीमा के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की हानियों का उदाहरण के साथ विवेचन कीजिए। 6+14

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 10+10

(क) विवाद निपटाने की पद्धतियाँ

(ख) भारत से निर्यात के लिए विधिक प्रलेख

(ग) हवाई मार्ग द्वारा निर्यात माल का सीमा शुल्क निकासी

(घ) निर्यात संवर्धन के लिए राजकोषीय प्रोत्साहन